समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

अगर आज जीती RCB, तो मुंबई-गुजरात की बढ़ेगी टेशंन ! फाइनल की रेस मे बंदल जाएंगे सभी समीकरण ।

Publisher   Published on 27 May 2025

RCB के आज जीतने पर वह पॉइंट्स टेबल मे शीर्ष पर पहुंच सकती है, जिससे गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस को फाइनल की दौड़ मे दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ेगा ।

नई दिल्ली : IPL 2025 के लीग चरण का **आखिरी मुकाबला** आज **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB)** और **लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG)** के बीच खेला जाएगा। यह मैच भले ही लखनऊ के लिए औपचारिकता हो, लेकिन **RCB** की जीत से प्लेऑफ के समीकरण पूरी तरह से बदल सकते हैं।

RCB पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, जबकि LSG टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। अभी **पंजाब किंग्स 19 अंकों** के साथ पहले स्थान पर है और क्वालीफायर-1 में पहुंच चुकी है। **गुजरात टाइटंस 18 अंकों** के साथ दूसरे स्थान पर है। **मुंबई इंडियंस 16 अंकों** के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है और उसका एलिमिनेटर खेलना तय है।

अगर RCB आज जीत गई तो क्या होगा ?

१. अगर RCB आज का मैच **बड़े अंतर से जीतती** है, तो वह **पॉइंट्स टेबल** में पहले स्थान पर आ सकती है।
२. ऐसी स्थिति में **RCB बनाम पंजाब किंग्स** के बीच क्वालीफायर-1 खेला जाएगा।
३. इससे **गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस** को एलिमिनेटर खेलना होगा।
४. एलिमिनेटर जीतने वाली टीम को फाइनल में जाने के लिए **क्वालीफायर-1** में हारने वाली टीम को भी हराना होगा, यानी उन्हें दो

लगातार जीत दर्ज करनी होंगी।

गुजरात और मुंबई को क्यों है चिंता ?

गुजरात टाइटंस की टीम अब **RCB** की हार की दुआ कर रही होगी, ताकि वह क्वालीफायर-1 में बनी रहे। अगर RCB जीतती है, तो गुजरात को एलिमिनेटर खेलना पड़ेगा, जहां उसे मुंबई जैसी मजबूत टीम से भिड़ना होगा।

मुंबई इंडियंस के लिए भी रास्ता आसान नहीं होगा। फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें दो मैच जीतने होंगे, जबकि **पंजाब और RCB** को सिर्फ एक जीत से फाइनल का टिकट मिल सकता है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.